[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Deshbandhu College Library, Kalkaji, New Delhi-19
2018

Sr. No. of Question Paper : 4458

HC

Unique Paper Code : 12031201

Name of the Paper : Indian Writing in English

Name of the Course : **BA (Hons) English – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. **All** questions are compulsory.
3. Questions **1, 2** and **3** are of **(10) ten** marks each.
4. Questions **4, 5** and **6** are of **(15) fifteen** marks each.

1. (a) Discuss the ending of *Swami and Friends*.

Or

(b) The Education system in *Swami and Friends*. (10)

2. (a) In 'A Poem for Mother' Robin S. Ngangom deploys the figure of mother both as a metaphor and as a looking glass. Discuss.

Or

(b) With reference to Nissim Ezekiel's 'The Night of the Scorpion' discuss the tension between faith and reason. (10)

3. (a) Using appropriate examples from the story *The Two Lady Rams,* comment on the use of mock-heroic style to satirise Sir Jhinda Ram and his wives.

Or

(b) Murad's magazine in 'In Custody'. (10)

4. (a) "*I heard rumours of what was happening in the caravan but I closed my ears.*" What was happening in the caravan? How does the story The Free Radio by Salman Rushdie produce a critique of the policies of the Indian State during the Emergency?

Or

(b) "*...Mother did not believe he wore his sudra and kusti anymore, she would be very surprised if he remembered any of the prayers; when she had asked him if he needed new sudras he said not to take any trouble because the Zoroastrian society of Ontario imported them from Bombay for their members...*" Referring to the above excerpt, discuss the anxiety experienced by Mother and Father regarding the Parsi identity of their son in the story *Swimming Lessons.* (15)

5. (a) *Swami and Friends* is a depiction of child psychology. Discuss.

Or

(b) Discuss anti-colonial consciousness in *Swami and Friends.* (15)

6. (a) Through Nur's wives, Anita Desai explores the multilayered and perilous existence of women in an orthodox Indian family. Discuss.

Or

(b) In Anita Desai's *In Custody,* the custodians of culture are in custody themselves. Discuss. (15)

[This question paper contains 2 printed pages.]

LIBRARY

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4462 HC

Unique Paper Code : 12051201

Name of the Paper : Hindi Sahitya ka Itihas (Aadikal Aur Madhyakal)

Name of the Course : **B.A. (H) Hindi – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. **सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**

1. हिन्दी साहित्येतिहास के विभिन्न कालखण्डों के नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए।

अथवा

आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

(14)

2. रासो साहित्य का सामान्य परिचय देते हुए 'पृथ्वीराज रासो' की प्रमाणिकता-अप्रमाणिकता पर विचार कीजिए।

P.T.O.

अथवा

आदिकालीन सिद्ध, नाथ तथा जैन साहित्य का परिचय दीजिए। (14)

3. 'संत काव्य' की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताओं को रेखांकित कीजिए। (14)

4. रीतिकालीन रीतिमुक्त काव्य के वैशिष्ट्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

रीतिकाल के नामकरण की समस्या पर विचार कीजिए। (14)

5. (क) किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए: (6,6)

(i) रामभक्ति काव्य

(ii) अष्टछाप

(iii) आदिकाल का सामाजिक परिवेश

(iv) रीतिकालीन वीरकाव्य

(ख) किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए – (7)

(i) अमीर खुसरो

(ii) तुलसी

LIBRARY

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 4647 **HC**

Unique Paper Code : 12051202

Name of the Paper : Hindi Kavita (Reetikaleen Kavya)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi – CBCS**

Semester : II

Duration : 3 hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न–पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. केशव के काव्य–सौंदर्य का विवेचन कीजिए ।

अथवा

रहीम की कविता 'नीति काव्य' का सर्वोत्तम उदाहरण है । विश्लेषण कीजिए । (12)

2. बिहारी के काव्य में व्यक्त शृंगार–भावना का परिचय दीजिए ।

अथवा

बिहारी की काव्य–कला पर आलोचनात्मक टिप्पणी कीजिए । (12)

P.T.O.

3. घनानंद की प्रेमानुभूति की विशेषताएं रेखांकित कीजिए।

अथवा

घनानंद के काव्य-शिल्प पर प्रकाश डालिए। (12)

4. भूषण की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

अथवा

गिरिधर कविराय के अभिव्यंजना-कौशल पर प्रकाश डालिए। (12)

5. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) हाथी न साथी न घोरे न चेरे, न गाँव न ठाँव को नाँव बिलैहे।
तात न मात, न मित्र न पुत्र न बित्त न अंग हू संग न रैहै।
केशव काम को 'राम' बिसारत और निकाम न कामहि ऐहै।
चेत रे चेत अजौ चित्त अंतर अंतक लोक अकेलहि जैहै।

अथवा

हीन भएँ जल मीन अधीन कहा कछु मो अकुलानि समानै।
नीर सनेही को लाय कलंक निरास ह्वै कायर त्यागत प्रानै।
प्रीति की रीति सु क्यों समुझै जड़ मीत के पानि परे को प्रमानै।
या मन की जु दसा, घनआँनद जीव की जीवनि जान ही जानै।।

(ख) साजि चतुरंग-सैन अंग मैं उमंग धारि सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत है।

भूषन भनत नाद-बिहद नगारन के, नदीनद मद गैबरन के रलत है।
ऐलफैल खैलभैल खलक में गैलगैल गजन की ठैलपैल सैल उसलत है।
तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि थारा पर पारा पारावार यों हलत है।

अथवा

बीति ताहि बिसारि दे, आगे की सुधि लेइ।
जो बनि आवै सहज में, ताही में चित देइ
ताही में चित देइ, बात जोई बनि आवै
दुर्जन हँसै न कोइ, चित्त में खता न पावै
कह गिरिधार कविराय, यहै करु मन परतीती
आगे को सुख समुझि, होइ बीती सो बीती।। 8+7 =15

6. दिये गये निर्देशों के आधार पर किन्हीं **दो** का रचना-कौशल (लगभग 150 शब्दों में) उद्घाटित कीजिए :

(क) रहिमन प्रीति न कीजिए, जस खीरा ने कीन।
ऊपर से तो दिल मिला, भीतर फाँके तीन।।
रहिमन पैंड़ा प्रेम को, निपट सिलसिली गैल।
बिछलत पाँव पिपीलिका, लोग लदावत बैल। (प्रेम-भावना का स्वरूप)

(ख) इंद्र जिमि जंभ पर, बाड़व सु अंभ पर, रावन सदंभ पर रघुकुलराज है।
पौन बारिबाह पर, संभु रतिनाह पर, ज्यौं सहस्रबाहु पर राम द्विजराज है।

दावा द्रुमदंड पर, चीता मृगझुंड पर, भूषन बितुंड पर जैसे मृगराज है। तेज तम-अंस पर, कान्ह जिमि कंस पर, यौं मलेच्छ-बंस पर सेर सिवराज है।

(अलंकार-सौन्दर्य)

(ग) जब जब वै सुधि कीजियै, तब-तब सब सुधि जाँहि।
आँखिनु आँखि लगीं रहैं, आँखैं लागति नाँहि।।
मकराकृति गोपाल कैं, सोहत कुंडल कान।
धर्‌यौ मनौ हिय-धर समरु, ड्यौढ़ी लसत निसान।।

(भाषा-सौन्दर्य)

(घ) देखि धौं आरसी लै बलि नेकु लसी है गुराई मैं कैसी ललाई।
मानौ उदोत दिवाकर की दुति पूरन चंदहि भैंटन आई।
फूलत कंज कुमोद लखें घनआँनद रूप अनूप निकाई।
तो मुख लाल गुलालहि लाय कै सौतिन के हिय होरी लगाई।

(रूप-वर्णन)

(6+6=12)